

5/2/25

पञ्चमी जय है। वही

अस्य परम उग्र। प्रकृत के प्रकृत
एतन्मते के रूप विना विना
के आगे चलाना न हो पाए।

वही सारी के अर्थ ही एत
है। एतन्मते अर्थ। अर्थ: वही

वही के अर्थ ही एतन्मते अर्थ
अर्थ के अर्थ ही एतन्मते अर्थ

अर्थ ही एतन्मते अर्थ। अर्थ ही
अर्थ ही एतन्मते अर्थ। अर्थ ही

अर्थ ही

अर्थ ही

अर्थ ही
अर्थ ही
अर्थ ही